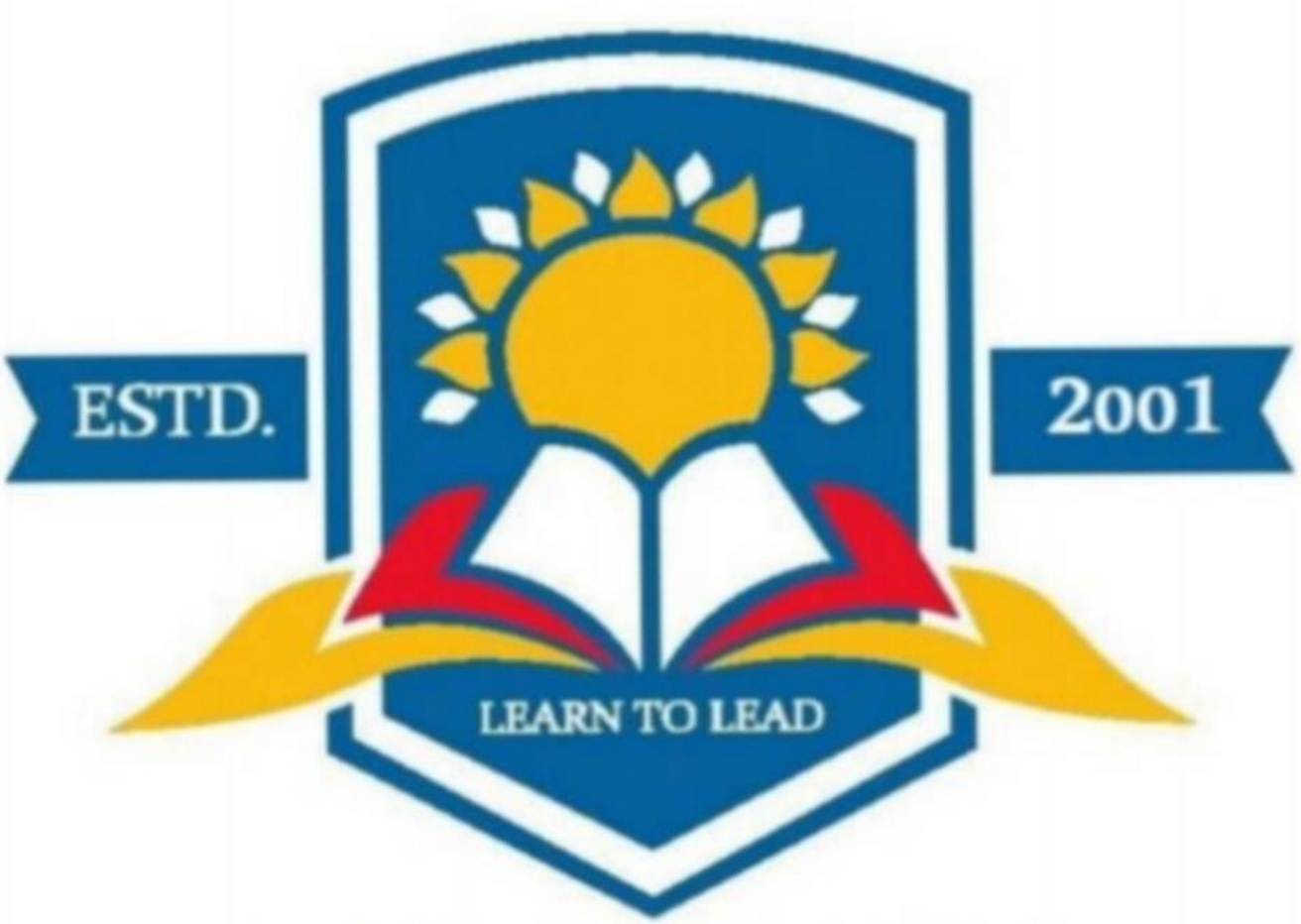

STEPPING STONE SCHOOL (HIGH)

Class-3

Sub-2nd Lang(Hindi)

Worksheet no.-27

Date-30.06.2020

Time limit-30 mins

बच्चों हिंदी के लिए आपको दो कॉपियां बनाना है -1) शिखा हिंदी पाठमाला और 2) व्याकरण और कहानी संचय के लिए । दोनों कॉपियां ही single line होंगी

। कॉपी के प्रथम पृष्ठ पर विषय-सूची(content) होना चाहिए । विषय सूची का नमूना आप लोगों को नीचे दिया जा रहा है ठीक उसी प्रकार विषय सूची आप लोग कॉपी में बनाएंगे और प्रत्येक कार्य अनुसार विषय सूची भी लिखेंगे।

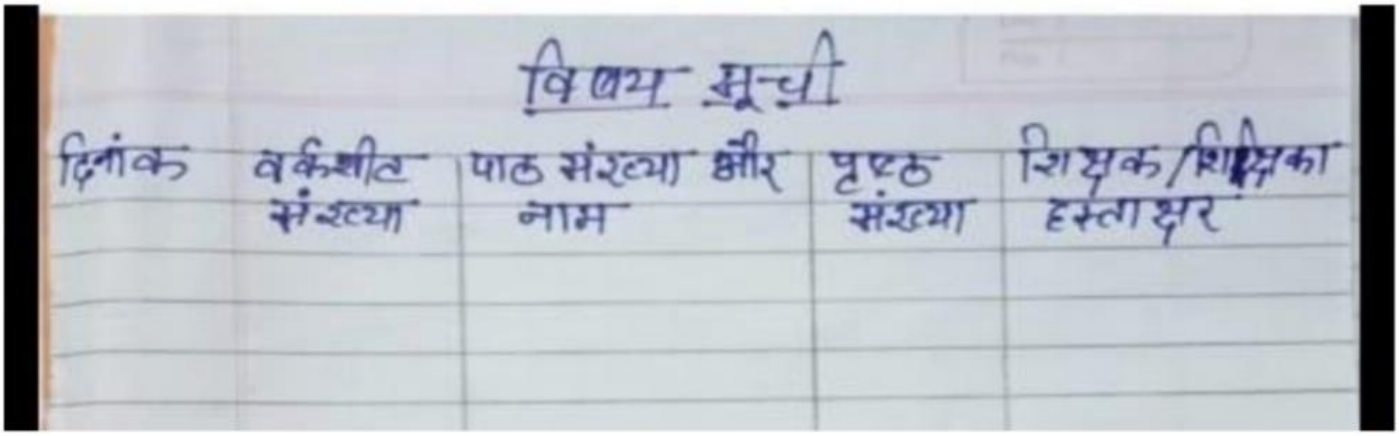

बच्चों,पाठ-4के दिए गए अंश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और रेखांकित किए गए वर्तनी को कॉपी में उतारिए । आपकी लिखावट साफ होनी चाहिए, वर्कशीट नंबर और दिनांक लिखना आवश्यक है ।

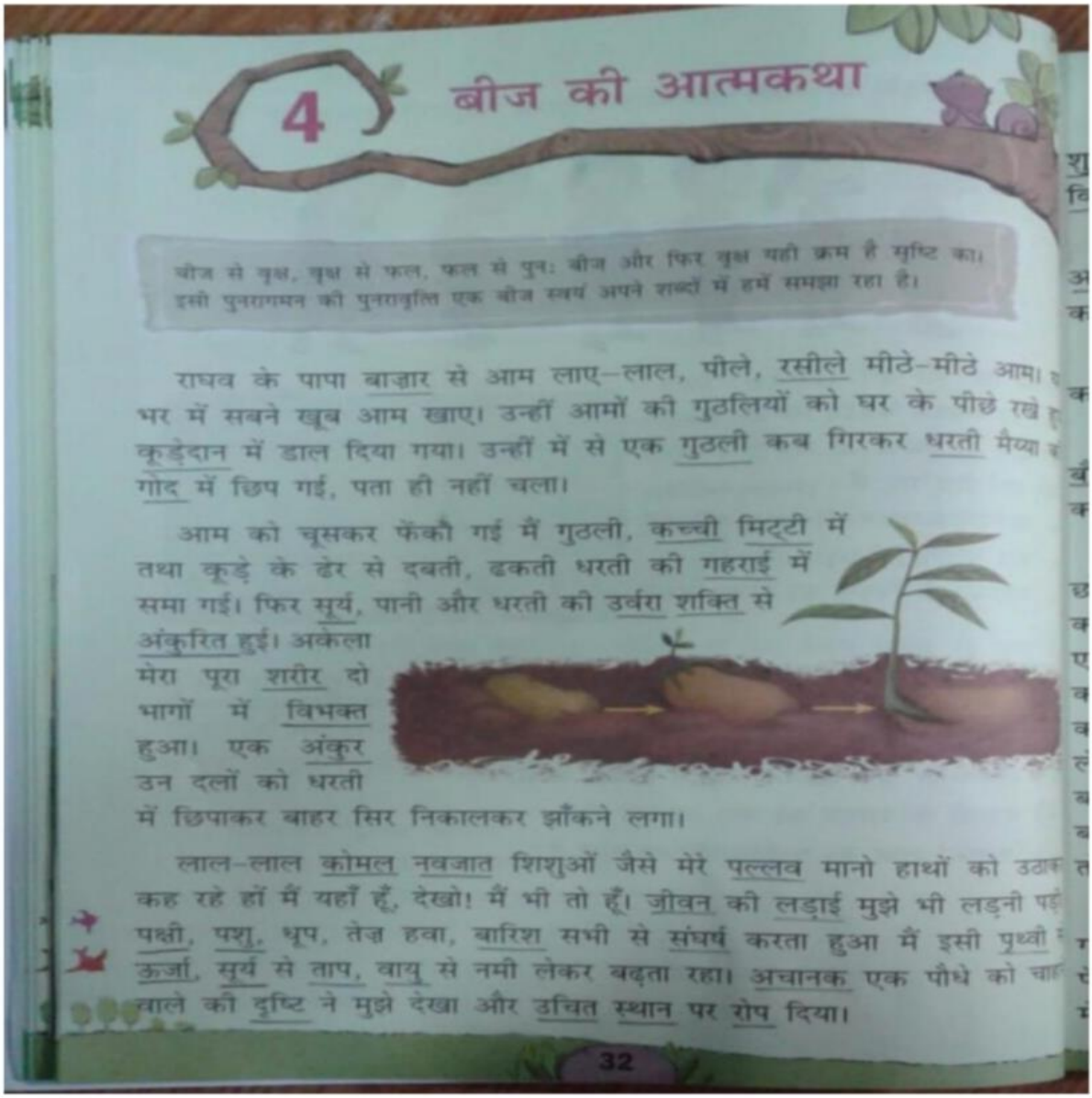

4 बीज की आत्मकथा

बीज से वृक्ष, वृक्ष से फल, फल से पुनः बीज और फिर वृक्ष यही क्रम है सृष्टि का। इसी पुनरागमन की पुनरावृत्ति एक बीज स्वयं अपने शब्दों में हमें समझा रहा है।

राघव के पापा बाज़ार से आम लाए–लाल, पीले, रसीले मीठे–मीठे आम। भर में सबने खूब आम खाए। उन्हीं आमों की गुठलियों को घर के पीछे रखे कूड़ेदान में डाल दिया गया। उन्हीं में से एक गुठली कब गिरकर धरती मैय्या गोद में छिप गई, पता ही नहीं चला।

आम को चूसकर फेंकी गई मैं गुठली, कच्ची मिट्टी में तथा कूड़े के ढेर से दबती, ढकती धरती की गहराई में समा गई। फिर सूर्य, पानी और धरती की उर्वरा शक्ति से अंकुरित हुई। अकेला मेरा पूरा शरीर दो भागों में विभक्त हुआ। एक अंकुर उन दलों को धरती में छिपाकर बाहर सिर निकालकर झाँकने लगा।

लाल–लाल कोमल नवजात शिशुओं जैसे मेरे पल्लव मानो हाथों को उठा कह रहे हों मैं यहाँ हूँ, देखो! मैं भी तो हूँ। जीवन की लड़ाई मुझे भी लड़नी पड़ी पक्षी, पशु, धूप, तेज़ हवा, बारिश सभी से संघर्ष करता हुआ मैं इसी पृथ्वी ऊर्जा, सूर्य से ताप, वायु से नमी लेकर बढ़ता रहा। अचानक एक पौधे को चाह वाले की दृष्टि ने मुझे देखा और उचित स्थान पर रोप दिया।

सारांश :-

प्रस्तुत पाठ एक बीच की आत्मकथा पर आधारित है । इस कहानी में एक आम की गुठली अपने जीवन के बारे में बता रही है कि किस प्रकार कूड़े के ढेर से दबी हुई धरती की गहराई में पहले वह समाई फिर उसमें से अंकुर निकले । लाल–लाल कोमल पत्ते धरती के अंदर से बाहर निकले उसे जीवन की लड़ाई भी लानी पड़ी पशु,पक्षी,धूप, तेज हवा और बारिश उसे सब का सामना

करना पड़ा फिर धीरे-धीरे वह सूर्य से ताप,वायु से नमी और पृथ्वी से ऊर्जा लेते हुए आगे बढ़ने लगी ।